न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, कोटा, जिला कोटा (राज0)
पीठासीन अधिकारी : वीरेन्द्र सिह यादव आर.ए.एस.

प्रकरण संख्याः 2/2021 (गुण्डा एक्ट)
जी.सी.एम.एस. नं. – 2021/322

उनवान

राज्य सरकार जर्ये थानाधिकारी पुलिस स्टेशन **कैथून** जिला कोटा ग्रामीण (राज0)

बनाम

मनोज पुत्र नृरसिह जाति माली निवासी खेडा रसूलपुर हाल रामपुर थाना कैथून जिला कोटा

कार्यवाही अन्तर्गत धारा 3 (1)
राजस्थान गुण्डा
नियंत्रण अधिनियम, 1975

निर्णय दिनांकः 26/02/26

थानाधिकारी पुलिस स्टेशन **कैथून** जिला कोटा ग्रामीण की ओर से जर्ये पुलिस अधीक्षक, जिला कोटा (ग्रामीण) यह इस्तगासा अन्तर्गत धारा 3 (1) राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 में कार्यवाही हेतु इस आशय के साथ पेश किया गया कि गैरसायल **मनोज पुत्र नृरसिह जाति माली निवासी खेडा रसूलपुर हाल रामपुर थाना कैथून जिला कोटा** थाना क्षैत्र में अपराधिक गतिविधियों में लिप्त है, तथा जुआ अध्यादेश अधिनियम के अन्तर्गत अपराध करने का आदी है, तथा उक्त अपराध को करने में थाना क्षैत्र में आतंक बनाकर रखता है। गैरसायल की उक्त गतिविधियों से आम जन आतंकित होकर भयग्रस्त रहते है। जिससे उसके क्षैत्र में निवास करने वाले साक्षी लोग उसके विरूद्ध साक्ष्य देने के लिऐ आगे आने के इच्छुक नहीं रहते है। साक्ष्य देने की स्थिति में अपने आपको असुरक्षित महसूस करते है। गैरसायल के विरूद्ध आपराधिक रिकार्ड निम्न है।

क्र. स.	प्रकरण संख्या	धारा	चार्जषीट न0 व दिनांक	न्यायालय निर्णय
1.	439/2019	13 आरपीजीओ	421/17.10.2019	सजा
2.	471/2019	13 आरपीजीओ	460/31.10.2019	सजा

अतः **मनोज पुत्र नृरसिह जाति माली निवासी खेडा रसूलपुर थाना कैथून जिला कोटा जिला कोटा** के विरूद्ध इस्तगासा अन्तर्गत धारा 3(1) राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 के तहत आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत है। **गैरसायल मनोज पुत्र नृरसिह जाति माली निवासी खेडा रसूलपुर थाना कैथून जिला कोटा जिला कोटा** राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 के तहत कार्यवाही हेतु प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर तलबी गैरसायल की गई।

उक्त गैरसायल को सारवान आरोपों को अभिलिखित करते हुऐ नोटिस दिया गया। बाद तामील नोटिस प्राप्त हुआ गैरसायल उपस्थित हुआ। गैरसायल की ओर से वकील श्री दिनेश लोदी द्वारा वकालतनामा पेश किया। गैरसायल के ओर से इस्तागासे के संबध में कोई जवाब पेश नही किया तथा गैरसायल लम्बे समय से अनुपस्थित है। गैरसायल के लम्बे समय से अनुपस्थित रहने एवं इस्तागासे का कोई जवाब प्रस्तुत नही करने के कारण न्यायालय का यह मत है कि गैरसायल उक्त संबध मे कोई सुनवाई नही चाहता है। अतः थानाधिकारी **कैथून** द्वारा प्रस्तुत इस्तगासा स्वीकार किया जाना न्यायोचित है।

अति. जिला कलक्टर
कोटा

. । पत्रावली का अवलोकन किया गया। गेरसायल द्वारा प्रकरण इस्तगासा में वर्णित अभियोग उक्त प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार स्वीकार किया है। इस्तगासा में वर्णित उक्त 13 आरपीजीओ के 2 अभियोग में गैरसायल को न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध एंव अर्थदण्ड से दण्डित करने की स्थिति विद्यमान है। जिसके लिऐ पेरोकार सरकार द्वारा गैरसायल की गतिविधियां आमजन के लिऐ घातक होना कथन करते हुऐ गैरसायल को जिला बदर किये जाने की प्रार्थना की गई। गैरसायल को इस इस्तगासा प्रकरण में वर्णित 13 आरपीजीओ : प्रकरणों में न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध एंव अर्थदण्ड से दण्डित 0 की प्रमाणिक स्थिति विद्यमान होने के कारण गेरसायल राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 (1) के अन्तर्गत गुण्डा परिभाषित है। जिसके फलस्वरूप राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 की उपधारा 1 (ए) (बी) तथा (सी) के अन्तर्गत वर्णित स्थिति विद्यमान होना पाते हुऐ गैरसायल को जिला बदर किया जाना उचित समझते है।

अतः उपरोक्त विवेचन अनुसार **मनोज पुत्र नृरसिह जाति माली निवासी खेडा रसूलपुर थाना कैथून जिला कोटा जिला कोटा** को राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 (3) के अन्तर्गत **15** दिन के लिऐ **थाना कैथून** जिला कोटा की सीमा से **जिला बारा** के लिऐ निष्कासित किये जाने के आदेश दिये जाते है। गैरसायल इस समयावधि में जिला कोटा की सीमा में प्रवेश नहीं करेगां, नेकचलन रहेगा तथा निष्कासन अवधि के दौरान आने वाले प्रत्येक सोमवार को अपनी उपस्थिति तथा गतिविधियो की जानकारी थानाधिकारी, **थाना अन्ता जिला बारा** को प्रस्तुत करेगा। **थानाधिकारी थाना अन्ता जिला बारा** गैरसायल की गतिविधियों पर निगरानी रखेगें। गैरसायल की उक्त **15** दिवस की निष्कासन अवधि **20** दिन पश्चात अर्थात **दिनांक** 22/3/**2026** से प्रारम्भ होगी। थानाधिकारी थाना **कैथून** जिला कोटा ग्रामीण उक्त गैरसायल **मनोज पुत्र नृरसिह जाति माली निवासी खेडा रसूलपुर थाना कैथून जिला कोटा** को दिनांक 23/3/**2026** को पुलिस अभिरक्षा में थाना **कैथून** जिला–कोटा (ग्रामीण) की सीमा से थाना **अन्ता जिला बारां** की सीमा में पहुंचाने की व्यवस्था करेगें। थानाधिकारी, **अन्ता जिला बारा** उक्त गैरसायल की उपस्थिति की सूचना तथा निष्कासन अवधि समाप्त होने पर थानाधिकारी **कैथून** जिला कोटा (ग्रामीण) गैरसायल के वापस थाना क्षैत्र **कैथून** जिला कोटा (ग्रामीण) में लोटने की सूचना इस न्यायालय को प्रेषित करेगें।

. निर्णय आज दिनांक 26/02/26 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर न्यायालय मुद्रा अंकित कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

मुद्रा

(वीरेन्द्र सिह यादव)
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
कोटा, जिला कोटा
अति॰ जिला कलक्टर
कोटा